पत्र सूचनाशाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

————————

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर राज्यपाल ने किया वृद्धा आश्रम का भ्रमण

——————

वृद्धाश्रम में त्रिस्तरीय व्यवस्था पर विचार किया जाये

————————

हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है–

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

——————

लखनऊ : 15 जून, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यव्हार जागरूकता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रायोजित सार्वजनिक शिक्षा शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित वृद्धा आश्रम, हीरालाल नगर, सरोजनी नगर लखनऊ का भ्रमण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन की ओर से वृद्धा आश्रम में रह रहे वृद्धजनों के उपयोगार्थ 2 वाशिंग मशीन, 80 बेड सीट, 40 गददा, 40 पिलों तथा 2 गैस चूल्हा आदि सप्रेम भेंट किये।

इसी क्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता ने शहीद मेमोरियल सोसाइटी द्वारा संचालित सेवार्थ वृद्धा आश्रम पारा राजाजीपुरम लखनऊ में रह रहे वृद्धजनों के उपयोग के लिए 5 कूलर, 25 फोल्ड़िग बेड तथा 1 वाशिंग मशीन तथा शहीद मेमोरियल सोसाइटी द्वारा ही संचालित सेवार्थ वृद्धा आश्रम राजाजीपुरम लखनऊ में रह रहे वृद्धजनों के उपयोगार्थ 1 फ्रिज, 25 फोल्ड़िग बेड तथा 5 कूलर राज्यपाल के विशेष सचिव श्री बद्री नारायाण सिंह ने राजभवन की ओर से भेंट किये गये।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है। अतः परिवार का मतलब एक दूसरे की सहायता करना तथा

एक दूसरे के सुख–दुख में भागीदार बनना है। ऐसे संस्कार हमे अपने बच्चों को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी कारण आज हम यहां अपने राजभवन की 5 बेटियों को लाये है ताकि वे यहां की व्यवस्था तथा रह रहे वृद्धजनों से उनके अनुभव जान सकें। राज्यपाल ने कहा कि आज यहां आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है तथा यहां पर वृद्धजनों के लिये जो व्यवस्था की गयी है, उससे मैं संतुष्ट हूं। यह प्रसन्नता की बात है कि सभी संवासी यहां भाई–बहन बनकर एक दूसरे के सुख–दुख के भागीदार बन रहे है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि वृद्धाश्रमों में त्रिस्तरीय व्यवस्था होना चाहिये अर्थात बाल संरक्षण गृह, संवासनी गृह तथा वृद्धा आश्रम एक स्थान पर होने से छोटे बच्चों को मां का प्यार एवं दादा–दादी का स्नेह मिलेगा तथा एक परिवार का वातावरण भी मिलेगा, जिससे बच्चे संस्कारवान तथा शिक्षित बनेगें। उन्होंने कहा कि सरकार को इस त्रिस्तरीय व्यवस्था पर विचार करना चाहिये।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश समाज कल्याण के निदेशक श्री राकेश कुमार शुक्ला, लखनऊ जिलाधिकारी श्री अभिषेक प्रकाश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———

राम मनोहर त्रिपाठी/राजभवन(240/27)

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार, जागरूकता दिवस के शुभ
महामहिम श्री राज्यपाल की गरिमामयी
एवं प्रेरणा
हेतु उपहार वितरण
आनन्दी बेन